HCL-16070101030200 Seat No. _____

# B. R. S. (Sem. III) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

**October – 2017**

## Hindi : FND-5

***(New Course)***

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :** सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ एकांकी कला के तत्त्वों के आधार पर 'प्रतिशोध' एकांकी की समीक्षा कीजिए । १५

**अथवा**

१ आदर्श गृहिणी और स्वाभिमानी औरत के रूप में शारदा की चारित्रिक विशेषता स्पष्ट कीजिए । १५

२ 'स्ट्राइक' हमारे उच्च समाज के खोखलेपन का सजीव चित्र है । – समझाइए । १५

**अथवा**

२ 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का कथानक लिखिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''नहीं साहब, आज मुझे देखिए, मेरी पहली पत्नी थी । कमबख्त को हमेंशा मुझसे शिकायत रही, लेकिन उसकी बिमारी में जब प्रतिक्षण उसके सिरहाने रहा तो मेरा नाम रटती रुई मरी ।''

(२) ''जनाब मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं ।''

(३) ''घर में दाने नहीं, लाने की हिम्मत नहीं, दिल इतना बड़ा कि दावत देंगे शहर भर को ? खून किसी का बहे, शहीद कोई बने ।''

(४) ''हमारे सेठ परोपकारी है । वैसे तुम जानो बेईमानी कौन नी करे है, पर दान करते रहे तो सारा पाप धुल जाय है । मन्दिर बनवा दो, बामनों को खिला दो बस ।''

(५) ''कवि संसार में रहकर भी संसार से परे हो जाता है ।''

४ 'पर्दे के पीछे' एकांकी का कथानक लिखकर उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । १५

**अथवा**

४ सिद्ध कीजिए कि उमा पढ़ी–लिखी युवतियों का प्रतिनिधित्व करने वाला सबल चरित्र है । १५

५ निम्नलिखित परिच्छेद का सारलेखन कीजिए : १०

आज विश्व आतंक के कगार पर खड़ा है । इन्सानियत की जगह हेवानियत ने ले ली है । परमाणु शस्त्र का डर विश्व की सर्वोच्च ताकत रखने वाले देश को भी दहेशत में डाल रही है । ऐसे में जरूरत है, हम सब भारतीयों को साथ मिलाकर आतंकवाद का मुकाबला करना चाहिए । ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए । भारत बिन सांप्रदायिक देश है अतः धर्म के नाम पर यदि शियासत हो तो हमारे लिए शरमिन्दगी की बात होगी । हमारे सन्तों–महन्तों ने जीवन में पशुता का नहीं, मानवता का स्थान होने की बात कही है । सत्य, सेवा, सादगी एवं परस्पर सदभाव रखना ही हमारी सच्ची पहेचान है ।

**अथवा**

बैंक में खाता खुलवाने के लिए बैंक मेनेजर को पत्र लिखिए ।